आरईसी
REC
असीमित ऊर्जा, अनन्त संभावनाएं
Endless energy. Infinite possibilities.

राजभाषा विभाग

दिनांक 23.12.2025 को आयोजित हिन्दी कार्यशाला की रिपोर्ट

दिनांक 23 दिसंबर 2025 को आरईसी मुख्यालय, गुरूग्राम में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार और प्रशासनिक कार्यों में इसके प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एकदिवसीय 'हिंदी कार्यशाला' का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला न केवल एक वैधानिक आवश्यकता की पूर्ति थी, बल्कि कंपनी की कार्य संस्कृति में भाषाई सहजता एवं सरलता को समावेशित करने की एक अनूठी पहल भी थी। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य सभी कार्मिकों को राजभाषा नीति के प्रावधानों से अवगत कराना, हिंदी में कार्य करने के प्रति उनकी झिझक को दूर करना और डिजिटल माध्यमों (ई-ऑफिस) में हिंदी में कार्य करने का प्रशिक्षण देना था। कार्यशाला का आयोजन आरईसी ऑडिटोरियम में किया गया।

कार्यशाला का शुभारंभ अतिथि वक्ता डॉ. ओम प्रकाश, सहायक प्रोफेसर (हिंदी विभाग), दिल्ली विश्वविद्यालय और हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर डॉ. विजय कुमार मिश्र द्वारा दीप प्रज्ज्वलन और अतिथियों को पुष्प देकर स्वागत के साथ किया गया।

कार्यशाला का आयोजन दो सत्रों में संपन्न हुआ। प्रथम सत्र के दौरान मुख्य वक्ता डॉ. विजय कुमार मिश्र ने अपने संबोधन में राजभाषा हिंदी की ऐतिहासिक विकास यात्रा और इसके वर्तमान महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने अपने सारगर्भित व्याख्यान के माध्यम से हिंदी की वर्तमान दशा और दिशा की ओर सभी कार्मिकों का ध्यान आकृष्ट किया। इसी क्रम में, डॉ. मिश्र ने हिंदी के प्रचार-प्रसार को गति देने के लिए प्रभावी सुझाव भी साझा किए। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि कार्यालयी कामकाज में हिंदी को केवल अनुवाद तक सीमित न रखकर इसे 'मूल लेखन' की भाषा बनाना अनिवार्य है।

डॉ. विजय कुमार मिश्र, सहायक प्रोफेसर (हिन्दी), हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय	**डॉ. ओम प्रकाश, सहायक प्रोफेसर (हिंदी), हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय**

दूसरे सत्र में डॉ. ओम प्रकाश जी ने अपनी प्रस्तुति में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन हेतु ई-टूल्स का महत्व एवं कार्यालय में उसकी भूमिकाओं के संबंध में विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने इस दौरान कुछ प्रमुख ई-टूल्स जैसे कंठस्थ 2.0, भाषिणी, अनुवादिनी, हिंदी वॉयस टाइपिंग, हिंदी टाइपिंग आदि प्रमुख तकनीकी उपकरणों का पीपीटी के माध्यम से प्रशिक्षण भी प्रदान किया। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने हिंदी भाषा और अन्य भारतीय भाषाओं को सीखने में आर्टिफ़िश्यल इंटेलिजेंस का सही उपयोग भी समझाया। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित कुछ प्रमुख सॉफ्टवेयर जैसे जैमिनी, चैट जीपीटी आदि पर विस्तार से अपनी बात रखी, और इसके माध्यम से हिन्दी में काम करने का प्रशिक्षण दिया।

आरईसी के वरिष्ठ अधिकारी विजेता कार्मिकों को पुरस्कृत करते हुए

कार्यशाला में 100 से अधिक कार्मिकों की उपस्थिति दर्ज की गई। सभी ने बहुत उत्साह के साथ कार्यशाला को सफल बनाया। कार्यशाला के उपरांत कार्यपालक निदेशक (राजभाषा) एवं अतिथि संकायों की उपस्थिति में पूर्व में आयोजित

हिंदी प्रतियोगिता में पुरस्कार प्राप्त करने वाले कार्मिकों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला संपन्न हुई।

******